सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 234 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार 30 सितम्बर, 2025
मूल्य ₹ 3/-

मेरे देश में लोग पहले जेल जाते हैं और फिर राष्ट्रपति बन जाते हैं।
-नेल्सन मंडेला

सूर्या बने एशिया कप जिताने वाले भारत... 7
करूर में भगदड़ पर सियासी... 3
भाजपा सरकार में महिलाओं और... 2

एनडीए में छेद
चिराग-प्रशांत की नूराकुश्ती

बिहार विधानसभा चुनाव में सब गोल माल है!

» उपेन्द्र कुशवाहा भी डाल रहे हैं रंग में भंग

» चिराग पिता की विरासत, बेटे की बगावत

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बिहार की राजनीति एक बार फिर चूल्हे पर चढ़ी उस खिचड़ी की तरह हो गयी है। जिसमें न तो मसाले का अंदाजा है न ही पानी का हिसाब। बस कोई भी नेता चम्मच घुमा देता है और खुशबू बदल जाती है। विधानसभा चुनाव से पहले का माहौल देखकर यही लगता है कि एनडीए की थाली में छेद हो चुका है और चिराग पासवान और प्रशांत किशोर की नूराकुश्ती चुनाव की दिशा को एनडीए से दूर करती दिखाई दे रही है वहीं उपेन्द्र कुशवाहा भी इस खिचड़ी पर नमक डालने में पीछे नहीं दिखाई दे रहे हैं।

चिराग पासवान को कभी मोदी का हनुमान कहा गया लेकिन अब उनका हनुमान रूप कुछ ज्यादा ही आत्मनिर्भर होता जा रहा है। एलजेपी (रामविलास) का चेहरा बन चुके चिराग ने साबित कर दिया है कि वे अब भाजपा के पिछलग्गू नहीं रहेंगे। विधानसभा चुनावों से पहले वे अपनी शर्तों पर सीट बांटने का खेल खेल रहे हैं। चिराग का असली एजेंडा साफ है कि पासवान वोट बैंक भाजपा की जेब में नहीं बल्कि चिराग की जेब में है। चिराग ने प्रशांत किशोर को बिहार का केजरीवाल बता कर नहले पर दहला जड़ दिया है। हालांकि उन्होंने बयान प्रशांत किशोर के जदयू और बीजेपी नेताओं पर लगाये गये आरापों के संदर्भ में दिया लेकिन हो उल्टा गया और बिहार की जनता ने इसे प्रशांत की तरीफ के तौर पर ले लिया।

गोलमाल समीकरण कौन किसके साथ?

बिहार में सियासी समीकरण इतने उलझ चुके हैं कि कोई भी भविष्यवाणी करना आत्महत्या के बराबर है। भाजपा को लगता है कि अकेले वह राज्य में नंबर वन बन सकती है लेकिन बिना सहयोगियों के दलित, अति पिछड़ा और अल्पसंख्यक वोट बैंक हाथ से निकल जाएगा। जेडीयू अपने सुशासन बाबू के ब्रांड से थक चुका है। नीतीश की छवि अब भरोसे से ज्यादा मजाक का विषय है। वहीं आरजेडी अपने यादव-मुस्लिम समीकरण पर टिका है लेकिन नई पीढ़ी की राजनीति में यह कार्ड हमेशा काम करेगा ऐसा जरूरी नहीं। चिराग, पीके और कुशवाहा तीनों मिलकर बीच का खेल बिगाड़ रहे हैं।

पुराने समीकरण तोड़ने की तैयारी

प्रशांत किशोर की बिहार चुनाव में इंट्री एक ब्रांड मैनेजर के तौर पर हुई थी। लेकिन अब वे केवल मैनेजर नहीं खुद खिलाड़ी बनने की कोशिश में हैं। जन सुराज अभियान ने बिहार की गली गली में दस्तक दी है। पीके जिस रणनीतिक रथ पर सवार है उसमें जनता को सीधे जोड़ो, सोशल मीडिया पर पकड़ बनाओ और नेताओं को अस्थिर करो जैसा दिखाई दे रहा है। वह दिन प्रति दिन एनडीए के लिए नई मुसीबत बनते जा रहे हैं। क्योंकि पीके न तो भाजपा के सख्त आलोचक हैं और न ही कांग्रेस के गुलाम। वे बीच में खड़े होकर सबको असहज करते हैं। पीके न तीसरा मोर्चा है न चौथा रास्ता बल्कि यह बिहार की राजनीति के पुराने समीकरण तोड़ने की तैयारी में जुटे हैं जिस प्रकार से चिराग पासवान बिहार की राजनीति को मथ रहे हैं और प्रशांत किशोर आगे बढ़ रहे हैं वह इस बात का संकेत हैं कि आगे चलकर दोनो एक हो सकते हैं।

उपेन्द्र कुशवाहा डाल रहे हैं रंग में भंग

नीतीश कुमार के हर राजनीतिक उतार-चढ़ाव के गवाह रहे उपेन्द्र कुशवाहा भी बिहार की राजनीतिक खिचड़ी में अपना मसाला डाल रहे हैं। वह कभी जेडीयू में रहे फिर अलग हुए फिर एडीए में लौटे और अब राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के बैनर तले अपनी अलग पहचान बनाने में जुटे हैं। उपेन्द्र कुशवाहा से भोजपुरी स्टार पवन सिंह की हालिया मुलाकात से एनडीए की बैचेनी बढ़ गयी है। पवन सिंह वैसे तो बीजेपी में है लेकिन पिछला चुनाव वह निर्दलिये लड़ गये थे जिससे उन्हें बीजेपी से निकाल दिया गया था। अब एक बार फिर पवन सिंह ने कुशवाहा से मुलाकात कर बीजेपी को बैचेने कर दिया है। कुशवाहा का असली कार्ड कोइरी-कुशवाहा वोट बैंक है। वह जानते हैं कि बिना इस ओबीसी ताकत के बिहार का चुनाव अधूरा है। लिहाजा वे एनडीए से भी जुड़े भी रहते हैं और अलग आवाज भी उठाते हैं। यही रंग में भंग है जो भाजपा की नींद हराम कर रहा है।

पाकिस्तान के क्वेटा में जबरदस्त विस्फोट, कई लोगों की मौत

» अस्पतालों में इमरजेंसी घोषित

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

करांची। पाकिस्तान के क्वेटा शहर में जबरदस्त विस्फोट हुआ है, जिसमें कई लोगों की मौत होने की आशंका है। धमाके में कई लोग घायल भी हुए हैं। क्वेटा पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत की राजधानी है। स्वास्थ्य विभाग के सचिव ने बताया कि बम विस्फोट के चलते क्वेटा के अस्पतालों में आपातकाल लागू कर दिया गया है।

सभी डॉक्टर्स, पैरामेडिकल स्टाफ नर्सों आदि को ड्यूटी पर मौजूद रहने का

निर्देश दिया गया है। बलूचिस्तान के स्वास्थ्य विभाग के मीडिया संयोजक ने बताया कि बम धमाके में 19 लोग घायल हुए हैं। घायलों को सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बम धमाके का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें दिख रहा है कि सड़क पर वाहन चल रहे हैं, तभी एक तेज धमाका होता है।

लद्दाख में हिंसा-भय की राजनीति बंद हो: राहुल

» नेता प्रतिपक्ष की केंद्र से अपील, बातचीत से समस्या का हल निकले

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को केंद्र से लद्दाख के लोगों से बातचीत करने का आग्रह किया। उन्होंने सरकार से बातचीत करने और हिंसा व भय की राजनीति बंद करने का आह्वान किया। उन्होंने लेह में हुई हालिया हिंसा की निष्पक्ष न्यायिक जांच की मांग की, जिसमें चार लोगों की जान चली गई।

राहुल ने निष्पक्ष न्यायिक जांच की मांग को आगे बढ़ाते हुए इस मौत को हत्या बताया और कहा, हमारी मांग है कि लद्दाख में हुई इन हत्याओं की निष्पक्ष न्यायिक जांच हो और दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा मिले। मोदी जी, आपने लद्दाख के लोगों के साथ विश्वासघात किया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि लद्दाख के लोग अपने अधिकारों की मांग कर रहे हैं। वे अपने अधिकारों की मांग कर रहे हैं, बातचीत कर रहे हैं -हिंसा और भय की राजनीति बंद करें। इससे पहले, 24 सितंबर को लेह में विरोध प्रदर्शनों के दौरान हिंसा भड़क उठी थी, जब स्थानीय भाजपा कार्यालय में आग लगा दी गई थी।

भाजपा सरकार ने देश के वीर सपूत की जान ली

एक पोस्ट में, राहुल गांधी ने इस बात पर जोर दिया कि गोली लगने से मारे गए लोगों में से एक सैनिक परिवार से था। उन्होंने कहा, पिता सैनिक, बेटा भी सैनिक - जिनके खून में देशभक्ति दौड़ती है। फिर भी भाजपा सरकार ने देश के वीर सपूत की सिर्फ इसलिए गोली मारकर जान ले ली, क्योंकि वह लद्दाख और उसके अधिकारों के लिए खड़ा था। पिता की दर्द भरी आंखें बस एक ही सवाल पूछ रही हैं - क्या आज देश सेवा का यही इनाम है?

भाजपा सरकार में महिलाओं और बेटियों के साथ अपराध की घटनाएं बढ़ीं: अखिलेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भाजपा सरकार पर सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का तीखा प्रहार जारी है। सपा प्रमुख ने भाजपा पर तंज कसा है। उन्होंने कहा,भाजपा सरकार में महिलाओं और बेटियों के साथ अपराध की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं।

महिला सुरक्षा को लेकर भाजपा सरकार के सारे दावे झूठे हैं। महिलाओं के साथ अपराध में उत्तर प्रदेश देश में सबसे आगे है। मैनपुरी में शनिवार को कक्षा-11 की छात्रा की गला घोटकर हत्या कर दी गई। अंबेडकरनगर के मालीपुर में दलित छात्रा का शव खेत में मिला। संत कबीर नगर में कंप्यूटर सेंटर पर काम करने वाली महिला की हत्या कर लाश नहर में फेंक दी गई। लखनऊ के चिनहट में महिला से दुष्कर्म हुआ। ये घटनाएं उदाहरण मात्र हैं।

अखिलेश यादव ने कहा कि इनका एंटी रोमियो स्क्वाड सिर्फ कागजों पर है। भाजपा ने प्रदेश की कानून व्यवस्था को चौपट कर दिया। सरकार अपराध और अपराधियों पर नियंत्रण करने के बजाय अपने राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ बदले की भावना से काम कर रही है। 2027 में जनता भाजपा के झूठ का अंत कर देगी।

पुलिस से बचे तो ईडी में फंसे इरफान सोलंकी

यूपी के कानपुर से सपा विधायक रहे इरफान सोलंकी की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। पिछले हफ्ते ही उन्हें गैंगस्टर मामले में जमानत मिली थी। उनकी रिहाई का रास्ता साफ हो गया था। अब ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) ने वित्तीय अनियमितताओं और बंग्लादेशी नागरिक को आश्रय देने के मामले में इरफान के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर दी है। जांच एजेंसी ने इरफान सोलंकी और उनके सहयोगियों को लखनऊ कार्यालय में पेश होने के निर्देश दिए हैं।प्रवर्तन निदेशालय ने अपने नोटिस में पांच अन्य प्रमुख लोगों को भी शामिल किया है। जो पहले इस मामले में नामित हो चुके हैं। इरफान सोलंकी पर भारतीय पहचान पत्र और आधार कार्ड बनवाने में मदद करने के आरोप हैं। इसके साथ ही संदिग्ध वित्तीय लेनदेन के भी आरोप लगाए गए है। जांच एजेंसी ईडी ने इन निष्कर्षों के आधार पर सभी व्यक्तियों को अपना पक्ष रखने के लिए बुलाया है। पूर्व पार्षद मन्नू रहमान जेल में बंद है। पिछले नगर निगम चुनाव में उनके ही परिवार का एक सदस्य चुनाव जीतकर पार्षद बना था। ईडी की टीम ने इरफान सोलंकी से जुड़ी एक कंपनी के बिल्डर हाजी वसी को भी तलब किया है। ईडी ने जितने भी लोगों को बुलाया है। उनसे पूछताछ करेगी। इसके लिए जांच में टीम ने स्थानीय पुलिस से भी संपर्क कर जानकारी जुटाई थी।

शालिनी बनीं रालोद महिला प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय महासचिव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राष्ट्रीय लोकदल महिला प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती इंदिरा कापिलावाई द्वारा जारी पत्र के माध्यम से यह जानकारी दी गई है कि लखनऊ निवासी श्रीमती शालिनी सिंह को राष्ट्रीय लोकदल महिला प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय महासचिव नियुक्त किया गया है। यह दायित्व तत्काल प्रभाव से प्रभावी होगा।

श्रीमती इंदिरा कापिलावाई ने विश्वास व्यक्त किया कि श्रीमती शालिनी सिंह अपने अनुभव और सक्रिय कार्यशैली से महिला प्रकोष्ठ को और अधिक सशक्त बनाते हुए पार्टी को मज़बूती प्रदान करेंगी। राष्ट्रीय सचिव अनुपम मिश्रा ने बधाई संदेश देते हुए कहा कि श्रीमती शालिनी सिंह का यह दायित्व निश्चित रूप से राष्ट्रीय अध्यक्ष केंद्रीय मंत्री (स्वतंत प्रभार) भारत सरकार श्री जयंत चौधरी जी के हाथों को मज़बूत करेगा। उनके नेतृत्व और समर्पण से लोकदल महिला प्रकोष्ठ को नई दिशा और ऊर्जा मिलेगी तथा पार्टी की विचारधारा को घर-घर तक पहुँचाने में अपनी अहम भूमिका का निर्वहन करेंगी।उत्तर प्रदेश प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रामाशीष राय ने भी हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि शालिनी सिंह के अनुभव और संगठनात्मक क्षमता से महिला प्रकोष्ठ और पार्टी दोनों को नई ऊँचाइयाँ प्राप्त होंगी। यह जानकारी राष्ट्रीय लोकदल के मीडिया प्रभारी मयंक त्रिवेदी ने दी।

कांग्रेस के चमचे हैं उदित राज: रामजी गौतम

» मायावती पर बयान देकर फंसे कांग्रेस नेता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उदित राज के आरोपों पर बसपा के राज्यसभा सांसद रामजी गौतम ने जोरदार पलटवार कर दिया है। बसपा के राज्यसभा सांसद रामजी गौतम ने कांग्रेस नेता पर निशाना साधते हुए कहा कि जब बसपा आगे बढ़ रही है तो विपक्षी पार्टियां अपने चमचों को एक्टिव कर इस तरह की अनर्गल बातें करवा रही है।

बहनजी के चार बार के शासन में बहुजन समाज को आत्मसम्मान, शिक्षा, रोजगार, हर क्षेत्र में भागेदारी मिली है। उन्होंने कहा कि उदित राज की बुद्धि अब काम नहीं कर रही है। इसीलिए इस तरह की बेफिजूल बातें कर रहे हैं। बता दें, रविवार को लखनऊ के प्रेस क्लब में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान दलित, ओबीसी, माइनारिटीज एवं आदिवासी संगठनों के परिसंघ के अध्यक्ष डा. उदित राज ने आरोप लगाया कि बसपा कांशीराम की विरासत का लाभ मनुवादी ताकतों को पहुंचा रही है। वोट चोरी से लोकतंत्र को कमजोर किया जा रहा है। इसके विरोध में बसपा को संघर्ष करना चाहिए, यही कांशीराम को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने कहा कि कांशीराम जी की पुण्यतिथि पर शक्ति प्रदर्शन से बीएसपी का कुछ वोट रुका रहेगा और उसका लाभ बीजेपी को मिलेगा। उदित राज ने बसपा प्रमुख पर तंज कसते हुए कहा कि मायावती के दिल में कमल है और दिखावे के लिए जुबान पर अंबेडकर। बसपा कांशीराम की पुण्यतिथि पर लखनऊ में बड़ा सम्मेलन करने जा रही है। उनकी पुण्यतिथि मनाना, हमारी जिम्मेदारी है लेकिन उनकी विरासत का फायदा मनुवादी ताकतों को पहुंचे, यह धोखा है।

सीएम मान दिल्ली दौरे पर भाजपा ने दागे सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री भगवंत मान आज दिल्ली में हैं मान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात करेंगे और उनके साथ पंजाब में बाढ़ से हुए नुकसान की रिपोर्ट सांझा करेंगे। मान केंद्र सरकार से 20 हजार करोड़ के राहत पैकेज की मांग करेंगे। वहीं मान के दिल्ली दौरे पर केंद्रीय मंत्री रवनीत बिट्टू ने तंज कसा है। बिट्टू ने कहा कि आप सरकार पंजाबियों को गुमराह कर रही है।

» गृहमंत्री अमित शाह से करेंगे मुलाकात

सीएम कहते हैं कि पीएम उन्हें मिलने का समय नहीं दे रहे हैं, केंद्र सरकार उनकी सुन नहीं रहा, मदद को तैयार नहीं है। बिट्टू ने कहा कि यदि केंद्र सुन नहीं रहा है तो वे मंगलवार को गृहमंत्री अमित शाह से मिलने कैसे जा रहे हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय कई बार राज्य सरकार को कह चुका है कि वे अपने अफसरों के साथ दिल्ली पहुंचे और केंद्र की टीमों के साथ अपने नुकसान संबंधी आंकड़े साझा करे, उसके बाद विशेष पैकेज की बात करे लेकिन अभी तक कोई अफसर व मंत्री आंकड़े लेकर पीएमओ नहीं पहुंचा है। बिट्टू ने कहा कि केंद्र की तरफ से जो डीबीटी योजनाएं हैं, उसका पैसा सीधा जाएगा और जो फंड राज्य सरकार के मार्फत जाना है, वे उनके माध्यम से बाढ़ पीड़ितों तक जाएगा।

कर्नाटक में अब 80 प्रतिशत कमीशन की चल रही सरकार: आर. अशोक

» ठेकेदार संघ के आरोपों के बाद भाजपा ने कांग्रेस पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बंगलूरू। कर्नाटक में ठेकेदार संघ की ओर कांग्रेस सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए जाने के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) हमलावर हो गई है। भाजपा के वरिष्ठ नेता और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आर. अशोक ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया से तत्काल इस्तीफा देने की मांग की है।

आर अशोक ने सिद्धारमैया सरकार को 80 फीसदी कमीशन वाली सरकार बताया। उन्होंने कहा कि कर्नाटक अब इस भ्रष्ट कांग्रेस सरकार को बर्दाश्त नहीं कर सकता। पिछले हफ्ते कर्नाटक राज्य ठेकेदार संघ (केएससीए) ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को एक पत्र लिखा था। इस पत्र में आरोप लगाया गया था कि कांग्रेस सरकार में विभिन्न विभागों में बिल पास करवाने के लिए मांगी जाने वाली कमीशन की दर पिछली भाजपा सरकार की तुलना में दोगुनी हो गई है। केएससीए ने यह भी आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने पिछले करीब दो वर्षों से ठेकेदारों का लंबित भुगतान नहीं किया है। 2023 के विधानसभा चुनावों से पहले केएससीए ने 40 फीसदी कमीशन का आरोप लगाया था। जो राज्य की राजनीति में बड़ा मुद्दा बन गया था, जिसे कांग्रेस ने भाजपा के खिलाफ एक बड़ा चुनावी मुद्दा बनाया था। आर. अशोक ने एक्स पर लिखा, कर्नाटक के ठेकेदारों ने कांग्रेस के भ्रष्टाचार की पोल खोल दी है। जब विपक्ष में थे, तब सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार (मौजूद उपमुख्यमंत्री) 40 फीसदी कमीशन को लेकर खूब बोलते थे। आज उनके राज में खुद ठेकेदार कह रहे हैं कि अब (कमीशन की) दर दोगुनी हो गई है। कर्नाटक में अब 80 फीसदी कमीशन सरकार बन गई है।

हरियाणा कांग्रेस में बदलाव के बाद तनाव

राव नरेंद्र की नियुक्ति पर सीनियर नेता अजय यादव ने उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हिसार (हरियाणा)। हरियाणा कांग्रेस में नए प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति को लेकर विवाद गहरा गया है। कांग्रेस हाईकमान द्वारा राव नरेंद्र सिंह को हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष नियुक्त किए जाने के फैसले पर पार्टी के वरिष्ठ नेता कैप्टन अजय सिंह यादव ने कड़ा ऐतराज जताया है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपनी नाराजगी व्यक्त की है।

अजय यादव ने अपने पोस्ट में लिखा है कि हरियाणा में कांग्रेस पार्टी के लगातार गिरते ग्राफ को देखते हुए आज लिए गए निर्णय पर पार्टी को आत्म निरीक्षण करने की आवश्यकता है। राहुल गांधी जी की इच्छा थी कि हरियाणा कांग्रेस का अध्यक्ष एक ऐसे व्यक्ति को बनाया जाए जिसकी छवि पूरी तरह साफ-सुथरी, बेदाग और युवा नेतृत्व की पहचान रखने वाली हो। लेकिन आज का निर्णय इसके ठीक उलट दिखाई देता है। इस वजह से पार्टी कार्यकर्ताओं और कैडर का मनोबल बिल्कुल गिर गया है।

राव नरेंद्र सिंह होंगे प्रदेश अध्यक्ष, भूपेंद्र हुड्डा बने नेता प्रतिपक्ष

आखिरकार वह फैसला हो गया, जिसका हरियाणा की राजनीति को बेसब्री से इंतजार था। कांग्रेस ने अपने प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष (विधायक दल के नेता) का एलान कर दिया है। एक बार फिर भूपेंद्र सिंह हुड्डा नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी निभाएंगे, जबकि प्रदेश अध्यक्ष पद पर उनके करीबी राव नरेंद्र को हाईकमान ने भरोसा जताया है। कांग्रेस ने जाट और ओबीसी गठजोड़ को महत्व दिया है, जिसकी चर्चा पहले से थी और कई राजनीतिक पंडित इस संयोजन की सलाह भी दे रहे थे। हुड्डा 2 बार मुख्यमंत्री, 4 बार नेता प्रतिपक्ष, 4 बार सांसद और 6 बार विधायक और 6 साल तक प्रदेशाध्यक्ष रह चुके हैं। राव नरेंद्र सिंह 3 बार विधायक और हुड्डा सरकार में स्वास्थ्य मंत्री रह चुके हैं।कांग्रेस ने एक कदम आगे बढ़ते हुए न केवल ओबीसी को प्रदेश अध्यक्ष बनाया, बल्कि अहीरवाल क्षेत्र से आने वाले नेता को इस पद के लिए चुना। इसका कारण यह है कि कांग्रेस को सत्ता हासिल करने के लिए अहीरवाल में मजबूती जरूरी है, क्योंकि पिछले तीन कार्यकाल से अहीरवाल ही बीजेपी के लिए सत्ता की चाबी साबित हुआ है।

करूर में भगदड़ पर सियासी रण

भाजपा, एआईडीएमके का टीवीके पर प्रहार

» कांग्रेस ने सबको माना दोषी

» सिक्योरिटी प्रोटोकॉल बनाने की मांग

» चिदंबरम बोले- भीड़ प्रबंधन के लिए स्थायी नीति बनाई जाए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। करूर में भगदड़ पर दक्षिण में सियासी बवाल मच गया है। भाजपा जहां टीवीके नेता पर हमलावर है वहीं डीएमके व एआईडीएमके ने वार किया है। इस बीच कांग्रेस ने बचाव किया है। उधर इस मामले की न्यायिक जांच भी शुरू हो गई है। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने करूर की घटना से पहले बेंगलुरु की भगदड़ को याद करते हुए कहा कि ऐसे मौकों पर भीड़ को संभालने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों को नियम-कानून व प्रोटोकॉल बनाना चाहिए। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने रविवार को तमिलनाडु के करूर में विजय की रैली में हुई भगदड़ पर गहरा शोक जताया।

इस भीषण हादसे में अब तक 40 लोगों की मौत हो चुकी है और करीब 70 लोग घायल हुए हैं। थरूर ने कहा कि ऐसी घटनाएं देश में भीड़ प्रबंधन की कमजोरियों को उजागर करती हैं। उन्होंने याद दिलाया कि बेंगलुरु में भी एक भगदड़ में 11 लोगों की जान चली गई थी। चिदंबरम ने कहा कि इन त्रुटियों ने मुझे एक समाधान सुझाने के लिए प्रेरित किया है और मैंने यह सुझाव तमिलनाडु के मुख्य सचिव को दे दिया है। मुझे यकीन है कि सरकार को कई सुझाव मिलेंगे और वे सभी सुझावों पर विचार करेंगे और भविष्य के लिए ऐसे निर्णय लेंगे जो सभी राजनीतिक दलों पर लागू होंगे।

हमारे देश में भीड़ को संभालने की व्यवस्था में कुछ गंभीर कमी : थरूर

तिरुवनंतपुरम में पत्रकारों से बात करते हुए सांसद थरूर ने कहा, यह बेहद दुखद और पीड़ादायक स्थिति है। हमारे देश में भीड़ को संभालने की व्यवस्था में कुछ गंभीर कमी है। हर साल कोई न कोई हादसा हो रहा है। बच्चों की मौत की खबरें सुनना दिल तोड़ने वाला है। कांग्रेस नेता ने केंद्र और राज्य सरकारों से अपील की कि बड़े आयोजनों के लिए सख्त नियम और सुरक्षा प्रोटोकॉल बनाए जाएं ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं से बचा जा सके।

पीड़ित परिवारों के लिए आर्थिक मदद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस हादसे पर गहरा दुख जताते हुए मृतकों के परिवारों को पीएम राहत कोष से 2-2 लाख रुपये और घायलों को 50-50 हजार रुपये की आर्थिक मदद देने का ऐलान किया। वहीं, अभिनेता और तमिलगा वेट्रि कझगम (टीवीके) प्रमुख विजय, जिन्हें उनके प्रशंसक 'थलपति' कहते हैं, ने भी पीड़ित परिवारों को 20 लाख रुपये की सहायता राशि देने की घोषणा की है। शनिवार को करूर में आयोजित रैली को तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) के अध्यक्ष और अभिनेता विजय ने संबोधित किया।

सभी पक्षों की ओर से हुई त्रुटि : चिदंबरम

कांग्रेस नेता पी चिदंबरम ने करूर में विजय की राजनीतिक रैली के दौरान हुई भगदड़ जिसमें 41 लोगों की मौत हुई को सभी पक्षों की ओर से त्रुटि का परिणाम बताया। उन्होंने तमिलनाडु के मुख्य सचिव को भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए समाधान सुझाए हैं, जो राजनीतिक आयोजनों में सुरक्षा प्रोटोकॉल की महत्ता को रेखांकित करते हैं। कांग्रेस नेता पी चिदंबरम ने सोमवार को कहा कि तमिलनाडु के करूर में 27 सितंबर की रात अभिनेता से नेता बने विजय द्वारा संबोधित एक राजनीतिक रैली के दौरान मची भगदड़ के संबंध में सभी पक्षों की ओर से त्रुटि है। इस रैली में 41 लोगों की जान चली गई थी। त्रिची में बात करते हुए, चिदंबरम ने कहा कि टीएनसीसी अध्यक्ष श्री के सेल्वापेरुंथगई ने एक बयान दिया है जो पार्टी का रुख है और मेरा भी यही रुख है। हालांकि, कल और आज के अखबार पढ़ने और टेलीविजन पर कुछ दृश्य देखने के बाद, मुझे लगता है कि सभी पक्षों की ओर से त्रुटि है, तमिल में हम चारों पक्षों को कहते हैं।

बिहार विस चुनावों की तैयारी में जुटे सियासी दल

कांग्रेस-राजद ने कसी कमर, भाजपा भी मोर्चे पर

» कांग्रेस का दावा- जीतेगा महागठबंधन, इसका पहला झटका दिल्ली में होगा महसूस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बिहार में आगामी आने वाले विस चुनाव के लिए सियासी दलों ने कमर कसना शुरू कर दिया है। राजद व कांग्रेस ने पूरी रणनीति बना ली है। दोनों ने एनडीए सरकार पर तीखे प्रहार शुरू कर दिए हैं। उधर बीजेपी ने भी ने भी चुनावों के मद्देनजर काम करना शुरूकर दिया है।

उधर कांग्रेस ने बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को 160 से अधिक सीटें जिताने संबंधी गृह मंत्री अमित शाह की अपील को लेकर सोमवार को आरोप लगाया कि शाह वोट चोरी और वोट रेवड़ी की बदौलत ऐसी उम्मीद कर रहे हैं। लेकिन राज्य की जागरुक जनता इस साजिश को नाकाम कर देगी। उन्होंने दावा किया कि इस वोट चोरी सूत्रधार ने बिहार में वीसी के लक्ष्य का खुलासा कर दिया है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह दावा भी किया कि बिहार में महागठबंधन जीतेगा और इसका सबसे पहला झटका दिल्ली में महसूस होगा।

वोट चोरी ने बिहार में वीसी के लक्ष्य का किया खुलासा : जयराम

रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया कि शिक्षा जगत में, वीसी का मतलब कुलपति होता है। स्टार्ट-अप की दुनिया में वीसी का मतलब वेंचर कैपिटल होता है। सेना में वीसी का मतलब वीर चक्र होता है। लेकिन अब हमारे पास एक नए तरह का वीसी है जो हमारी राजनीति को परिभाषित कर रहा है। वो है वोट चोरी। उन्होंने दावा किया कि इस वोट चोरी सूत्रधार ने बिहार में वीसी के लक्ष्य का खुलासा कर दिया है।

बीजेपी ने भी बना ली टीम

बिहार विस चुनाव के मद्देनजर भाजपा पूरी तरह से कमर कस रही है। बीजेपी ने मेनिफेस्टो कमेटी के गठन के बाद अब प्रदेश चुनाव समिति भी स्थापित कर दी है। इस समिति में कुल 15 नेताओं को जगह दी गई है जबकि पदेन सदस्य के रूप में एक विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में 3 लोगों को शामिल किया गया है। इस प्रकार कुल 19 नेताओं की टीम तय की गई है जो प्रदेश चुनाव समिति के रूप में विस चुनावों के लिए काम करेगी। प्रदेश चुनाव समिति में डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल, सम्राट चौधरी, विजय कुमार सिन्हा, राधा मोहन सिंह, गिरिराज सिंह, नन्दकिशोर यादव, नित्यानन्द राय, मंगल पाण्डेय, डॉ संजय जायसवाल, भीखूभाई दलसानिया, रविशंकर प्रसाद, रेणु देवी, प्रेम कुमार, जनक चमार, प्रेम रंजन पटेल का नाम शामिल है। वहीं, पदेन सदस्य के तहत धर्मशिला गुप्ता को जगह मिली है, साथ ही विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में विनोद तावड़े, दीपक प्रकाश और नागेन्द्र जी का नाम शमिल हैं। इतना ही नहीं, चुनाव प्रचार की तैयारियों के लिए बीजेपी ने एक 45 सदस्यीय चुनाव अभियान समिति भी बनाई है। इस समिति में केंद्रीय और राज्य स्तरीय मंत्री, सांसद, विधायक, पूर्व सांसद और संगठन के सीनियर नेता भी शामिल हैं। इस समिति का नेतृत्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल करेंगे। बीजेपी ने बताया है कि समिति का गठन करते समय सामाजिक और क्षेत्रीय संतुलन का खास ध्यान रखा गया है। इस समिति का मुख्य कर्तव्य प्रचार अभियान की रणनीति बनाना और उसे बूथ स्तर तक प्रभावी रूप से लागू करना है। साथ ही केंद्रीय नेतृत्व से आने वाले बड़े नेताओं के बिहार दौरे और प्रचार का समन्वय भी यही समिति करेगी। पार्टी ने यह स्पष्ट किया है कि चुनाव में उसका मुख्य फोकस विकास और सुशासन रहेगा और लक्ष्य एनडीए के साथ मिलकर पूर्ण बहुमत की सरकार बनाना है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

आखिर कब तक होती रहेंगी ऐसी भगदड़ वाली घटनाएं

हर साल भारत में भगदड़ से घटने वाली घटनाओं की खबरें आना आम बात है। ये घटनाएं भारत के हर हिस्से में घटती हैं। अभी शनिवार को तमिलनाडु के करूर में तमिलगा वेट्री कषगम (टीवीके) प्रमुख और सुपर अभिनेता से नेता बने विजय की चुनावी रैली के दौरान मची भगदड़ दुर्भाग्यपूर्ण होने के साथ स्तब्ध करने एवं पीड़ा देने वाली भी है। इससे पहले बेंगलुरू में आईपीएल के एक कार्यक्रम में ऐसी ही घटना घटी थी। वहीं यूपी के हाथरस में एक बाबा के समागम में सैकड़ों लोगों की जान चली गई थी। ऐसी तमाम घटनाएं होती रहती हैं। इन घटनाओं के आने के बाद सरकारें जांच टीम घटित करके अपने दायित्त्वों की इतीश्री कर लेती हैं। फिर मामला हवा में उड़ जाता है। फिर चर्चा तब होती है जब कोई घटना घट जाती है। जबकि कई बनी कमेटियों ने ऐसी सिफारिशें की है कि भीड़ से होने वाले भगदड़ से बचने के लिए दिशा निर्देश बनाए जाएं उन्हें शक्ति से लागू किया जाए। सत्ता से लेकर विपक्ष तक के नेता एक बार फिर नियम कानून बनाने की मांग कर रहे हैं। सवाल उठता है कि आखिर कब तक ऐसी त्रासदियां हमारे समाज और शासन की नाकामी को उजागर करती रहेंगी? क्यों हमारी व्यवस्थाएं भीड़ को नियंत्रित करने में बार-बार विफल होती हैं और क्यों राजनीतिक दल, धार्मिक आयोजक, सिनेमा स्टार या अन्य तथाकथित 'सेलिब्रिटी' भीड़ के जमावड़े को सफलता का पैमाना मानकर उसे उकसाते हैं?

भगदड़में लोगों की जो दुखद मृत्यु हुई, यह राज्य एवं प्रायोजित एवं प्रोत्साहित हत्या है। पुलिस का बंदोबस्त कहां था? चीख, पुकार और दर्द और अभिनेता से नेता बने को देखने की दीवानगी एक ऐसा दर्दनाक एवं खौफनाक वाकया है जो सुदीर्घ काल तक पीड़ित और परेशान करेगा। प्रशासन की लापरवाही, अत्यधिक भीड़ और अव्यवस्थित प्रबंधन ने इस त्रासदी को जन्म दिया। यह घटना कोई अपवाद नहीं है, बल्कि हाल के वर्षों में दुनिया भर में सामने आई ऐसी घटनाओं की कड़ी का नया खौफनाक एवं दर्दनाक मामला है, जहां भीड़ नियंत्रण में चूक एवं प्रशासन, सत्ता एवं राजनीतिक दलों का जनता के प्रति उदासीनता का गंभीर परिणाम एवं त्रासदी का ज्वलंत उदाहरण है। निश्चित ही भीड़ कोई संगठित चेतन शक्ति नहीं होती, यह एक उन्मादी प्रवाह है जिसमें व्यक्ति की सोच, विवेक और संवेदना विलीन हो जाती है। भीड़ के सामने व्यक्ति का आत्मनियंत्रण टूट जाता है और वह हिंसक, अनुशासनहीन और खतरनाक रूप ले लेती है। यही कारण है कि क्रिकेट मैच से लेकर राजनीतिक रैली, धार्मिक आयोजन और फिल्मी सितारों की झलक तक, हर जगह भीड़ का जुनून कई बार मौत का तांडव बन जाता है। इतिहास गवाह है कि भीड़ की हिंसा ने न केवल जानें ली हैं, बल्कि सामाजिक ताने-बाने को भी चोट पहुंचाई है।

"सवाल उठता है कि आखिर कब तक ऐसी त्रासदियां हमारे समाज और शासन की नाकामी को उजागर करती रहेंगी? क्यों हमारी व्यवस्थाएं भीड़ को नियंत्रित करने में बार-बार विफल होती हैं और क्यों राजनीतिक दल, धार्मिक आयोजक, सिनेमा स्टार या अन्य तथाकथित 'सेलिब्रिटी' भीड़ के जमावड़े को सफलता का पैमाना मानकर उसे उकसाते हैं?

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

बिहार को विशेष महत्व के यक्ष प्रश्न

ज्योति मल्होत्रा

प्रधानमंत्री द्वारा बिहार की महिलाओं को दी एकमुश्त उदार राशि 7,500 करोड़ रुपये की है। इसकी तुलना 1,600 करोड़ रुपये वाले उस राहत पैकेज से करें जिसका वादा प्रधानमंत्री ने लगभग तीन हफ्ते पहले पंजाब दौरे पर किया था। तब भाजपा सूत्रों का कहना था कि यह तो सिर्फ पहली राहत किश्त है, और ज्यादा राशि प्राप्त करने से पहले पंजाब को पहले अपनी ओर से भी काम कर दिखाना होगा, लेकिन बिहार पैकेज के बारे में ऐसे कोई सवाल नहीं पूछे जा रहे हैं। दरअसल, कोई यह सवाल नहीं कर रहा कि अव्वल तो प्रधानमंत्री बिहार की असाधारण महिलाओं को इतनी बड़ी रकम भेज क्यों रहे हैं? कुछ प्रश्न हैं। क्या बिहार में बाढ़ आई है जिससे लगभग चार लाख एकड़ में खड़ी धान की फसल बर्बाद हो गई है? क्या कुछ सौ पशु, गायें और भैंसें, जो राज्य की डेयरी सहकारी समितियों और इस कृषि प्रधान राज्य के परिवारों की रीढ़ हैं, लापता हो गए हैं? क्या घर बह गए हैं, स्कूल बेहद क्षतिग्रस्त हो गए हैं, खेत कीचड़-मिट्टी से अट गए हैं, जिन्हें अब ट्रैक्टरों व जेसीबी से साफ किया जा रहा है?

क्या अंतर्राष्ट्रीय सीमा, जो भारत को पाकिस्तान से जुदा करती है, उस पर बनी बाड़- बिहार में भी नेपाल से लगती एक सीमा है, लेकिन वह खुली है, यानी वहां कोई कांटेदार तार नहीं है - वह बह गई है। जाहिर है, प्रधानमंत्री की उदारता का कारण है - बिहार में नवंबर में होने वाले चुनाव। बिहार की 6.3 करोड़ महिलाओं पर उनके ध्यान का केंद्र बनने की वजह भी साफ है - हर परिवार से एक योग्य महिला अपनी पसंद का रोजगार शुरू करने के लिए आवेदन कर सकती है, और अगर उसका आवेदन स्वीकृत हो जाता है, तो राशि 2 लाख रुपये तक हो सकती है। प्रधानमंत्री को उम्मीद है कि बिहार की महिलाएं, उनके लिए एक 'महिला' मतदाता वर्ग है, जो जाति-पांति से ऊपर उठकर, भाजपा को दिल खोलकर वोट देगा, ठीक वैसे ही जैसा कि देश के बाकी हिस्सों में होने लगा है। जाहिर है, बिहार के बारे में कुछ तो खास है।

हालांकि पंजाब में भाजपा बाढ़ प्रभावितों की मदद करने में वाकई काफी प्रयास कर रही है -राज्य भर के डेरी सहकारी क्षेत्र के अलावा, खासकर पाकिस्तान की सीमा से लगे छह जिलों में गुम हुए दुधारू पशुओं की एवज में नए सिरे से ऋण दिलवाने में सहायता करने में - पार्टी यह भी जानती है कि केंद्र के खिलाफ पंजाबियों की बढ़ती नाराजगी दूर करने को अभी बहुत कुछ करना होगा। कई मायनों में, यह पंजाब

के लिए निर्णायक क्षण है। अगर आप छोटे या बड़े स्तर की मदद कर रहे हैं, तो आपकी गिनती होगी। अगर आप नहीं करेंगे, तो जाहिर है नजरअंदाज रहेंगे। इसीलिए कांग्रेस को ज्यादा सावधान रहने की जरूरत है। बाढ़ से पहले, सड़कों पर सामान्य नागरिक आपको बताता था कैसे वह सत्तारूढ़ 'आप' से तंग आ चुका है और 2027 के चुनावों में उसे सबक सिखाएगा, ठीक वैसे ही जैसे उसने 2022 में कांग्रेस को पाठ पढ़ाया और आम आदमी पार्टी के 92 विधायकों को जिताकर भारी-भरकम बहुमत दिया। दरअसल, लोग कहने लगे थे कि अगर आज पंजाब में चुनाव हो जाएं, तो कोई हैरानी नहीं कि अंदरूनी लड़ाई में उलझे कांग्रेसी आपस में भिड़ जाते - राज्य इकाई में मुख्यमंत्री पद के कम से कम पांच दावेदार हैं। लेकिन, बाढ़ के बाद की कहानी एकदम अलग है। अजनाला से कुलदीप धालीवाल जैसे कुछ 'आप' विधायकों ने जिस तरह से अपने साथी पंजाबियों की मदद की है, वह हैरान करने वाला है। कांग्रेस इस मामले में बेहद ढीली रही, हालांकि राहुल गांधी कुछ घंटों के लिए आए, गाद भरे खेतों में ट्रैक्टर चलाया और बाढ़ में अपनी साइकिल गंवा चुके एक छोटे बच्चे को गले लगाया (बाद में पार्टी ने उस लड़के को एक नई साइकिल भेंट की।) इस सबके आलोक में, प्रधानमंत्री मोदी की पंजाब बाढ़ राहत की तुच्छ घोषणा को राज्य एवं केंद्र के बीच स्पष्ट अविश्वास के रूप में देखा जाना चाहिए। इसकी तुलना बिहार में दिखाई दरियादिली से करें। बिहार पर प्रधानमंत्री की मेहरबानी राज्य में चुनावों की घोषणा से ठीक पहले आई है, इससे पहले कि आदर्श आचार संहिता लागू हो।

कुछ लोग यह भी कह सकते हैं कि वह खुद और भाजपा कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रहे हैं - वर्तमान मुख्यमंत्री और भाजपा के सहयोगी नीतीश कुमार अस्वस्थ हैं, अबकी बार मुख्यमंत्री नहीं बनेंगे, इसलिए भाजपा का जादू हर हाल में चलना ही चाहिए। जन सुराज पार्टी के प्रशांत किशोर की स्थिति बिहार की राजनीतिक बिसात में अप्रत्याशित हो, लेकिन भाजपा के उप-मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पर उनका हमला कम घातक नहीं है। जो भी है। सच तो यह है कि पिछले कई दशकों से जाति आधारित पारंपरिक चुनावी समीकरण को बदलने में पीएम मोदी कामयाब रहे हैं - उन्होंने उज्ज्वला योजना और लखपति दीदी योजना जैसी योजनाओं को आकार देकर सचमुच एक प्रतिबद्ध 'महिला मतदाता वर्ग' तैयार कर लिया है।

बदले हालात के अनुरूप हो आपदा प्रबंधन

ज्ञानेंद्र रावत

जम्मू-कश्मीर, हिमाचल व उत्तराखंड में बादल फटने, अचानक बाढ़ और भूस्खलन की घटनाओं में बढ़ोतरी ने यह संकेत तो दे ही दिया है कि मौसमी बारिश से यह अनुमान नहीं लगाया जा सकता कि बादल फटने या अचानक बाढ़ की घटनाएं नहीं होंगी। फिर अस्थिर ग्लेशियर और ग्लेशियर झीलों की बढ़ती तादाद से बाढ़ की विकरालता का खतरा दिनोंदिन लगातार बढ़ता जा रहा है।

आज समूचा हिमालयी क्षेत्र पारिस्थितिकीय संकट से जूझ रहा है। यह संकट अब केवल हिमाचल प्रदेश या उत्तराखंड तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि पूरे हिमालयी क्षेत्र को अपनी चपेट में ले चुका है। दरअसल, यह समस्या सिर्फ पर्यावरणीय असंतुलन तक सीमित नहीं है, बल्कि पारिस्थितिकी तंत्र से जुड़ी गहरी और जटिल परिस्थितिजन्य चुनौतियां भी इसके मूल में हैं। जलवायु परिवर्तन, अनियंत्रित निर्माण, वनों की कटाई, खनन और जनसंख्या दबाव जैसे कारणों ने हिमालय की नाजुक पारिस्थितिकी को गंभीर खतरे में डाल दिया है। देश की सर्वोच्च न्यायालय ने कहा है कि समूचा हिमालयी क्षेत्र एक बेहद गंभीर संकट के दौर से गुजर रहा है।

यह टिप्पणी हिमाचल प्रदेश में आपदाओं से संबंधित मामले की सुनवाई के दौरान स्वत: संज्ञान लेते हुए कोर्ट ने की। सुनवाई के दौरान, न्यायालय की सहायता कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता के. परमेश्वर ने बताया कि राज्य सरकार की रिपोर्ट में पेड़ों की संख्या, ग्लेशियरों और खनन जैसे मुद्दों का उल्लेख तो किया गया है, लेकिन उनमें कोई ठोस या नई जानकारी नहीं दी गई है। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट में यह स्वीकार किया गया है कि ग्लेशियर सिकुड़ रहे हैं और इनकी क्षरण की गतिविधियां तेज हो रही हैं, लेकिन इसका विस्तृत विश्लेषण रिपोर्ट में शामिल नहीं है। केवल यह आश्वासन दिया गया है कि एक समिति इन विषयों की समीक्षा करेगी। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि 2018 से 2025 के बीच राज्य में बादल फटने से जन-धन की व्यापक क्षति हुई है। एक अन्य याचिका पर सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति बी.आर. गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने कहा है कि हमने उत्तराखंड, हिमाचल और पंजाब में अभूतपूर्व बाढ़ और भूस्खलन देखा है। मीडिया में आये वीडियो का जिक्र करते हुए पीठ ने कहा कि बड़ी संख्या में हमने लकड़ी के गट्ठे पानी में बहते हुए देखे हैं।

इससे तो ऐसा लगता है कि पहाड़ों पर बड़ी संख्या में पेड़ों की अवैध कटाई हुई है। हमने पंजाब की तस्वीरें भी देखी हैं। पूरे खेत और फसलें जलमग्न हैं। यह गंभीर मामला है। याचिका में हिमाचल, उत्तराखंड, पंजाब और जम्मू-कश्मीर में बाढ़, बादल फटने और भूस्खलन का मुद्दा उठाते हुए भविष्य के लिए कार्य योजना बनाने की मांग की गई। इसके लिए एसआईटी गठित की जाये जो पर्यावरण कानून एवं उसके दिशा-निर्देशों और सड़क निर्माण के मानकों के उल्लंघन की जांच करे, जिससे इन राज्यों में 2023-2024 और 2025 में ये आपदायें आईं। हिमालयी इलाका 13 राज्यों सहित केन्द्र शासित प्रदेशों में फैला हुआ है। मानसून के दौरान इनको अधिकाधिक प्राकृतिक आपदाओं का सामना करना पड़ता है।

ये अपनी जटिल बनावट, नाजुक हालात और लगातार बदलती जलवायु परिस्थितियों की वजह से विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं की वजह से आने वाली बाढ़ के प्रति काफी संवेदनशील होते हैं। ये आपदायें आबादी क्षेत्र, बुनियादी ढांचों और जैव विविधता के लिए गंभीर खतरा पैदा करती हैं। बीते दिनों देहरादून में सहस्त्र धारा जैसे मैदानी इलाकों तक को इसका प्रकोप झेलना पड़ा। जबकि अभी तक पहाड़ी इलाकों में ही बादल फटने और भूस्खलन जैसी घटनायें घटती रही हैं। नि:संदेह, मौसम में आ रहा बदलाव मानवता के समक्ष अब तक की सबसे बड़ी चुनौती है। आईसीजे तो काफी पहले इसकी चेतावनी दे चुका है।

वहीं मानसून की अनिश्चितता ने देश में बारिश की तीव्रता को काफी हद तक बढ़ा दिया है। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल व उत्तराखंड में बादल फटने, अचानक बाढ़ और भूस्खलन की घटनाओं में बढ़ोतरी ने यह संकेत तो दे ही दिया है कि मौसमी बारिश से यह अनुमान नहीं लगाया जा सकता कि बादल फटने या अचानक बाढ़ की घटनाएं नहीं होंगी। फिर अस्थिर ग्लेशियर और ग्लेशियर झीलों की बढ़ती तादाद से बाढ़ की विकरालता का खतरा दिनोंदिन लगातार बढ़ता जा रहा है। इसमे दो राय नहीं कि यह झीलें भूस्खलन, भूकंप, भारी वर्षा या हिमस्खलन के कारण अचानक विनाशकारी बाढ़ के लिए सबसे अधिक जिम्मेदार हैं। केन्द्र और राज्य सरकारों के पास समर्पित आपदा प्रबंधन प्राधिकरण होने के बावजूद इन आपदाओं से होने वाले नुकसान को कम करने की कोई योजना नजर नहीं आती है। जाहिर है ऐसे हालात में इस अति संवेदनशील इलाके में ऐसे तंत्र विकसित किये जाने की जरूरत है जो एक साथ अतिवृष्टि, भूस्खलन, ग्लेशियरों के पिघलने, ग्लेशियर झीलों के टूटने, पर्माफ्रास्ट से होने वाले नुकसान पर अंकुश लगा सके।

दशहरा

अधर्म पर धर्म की विजय...

दशहरा जिसे विजयादशमी के नाम से भी जाना जाता है, देश में हिंदू समुदाय द्वारा मनाए जाने वाले सबसे बड़े त्योहारों में से एक है। यह नवरात्रि के अंत में मनाया जाता है, जिसके कारण हर साल तिथि बदलती रहती है। हिंदू कैलेंडर के कार्तिक महीने के तहत, यह त्यौहार इस महीने के 10वें दिन मनाया जाएगा । इस बार यह 2 अक्टूबर को पड़ेगा। दशहरा पर्व आश्विन शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को मनाया जाता है। ये वही दिन है जब भगवान राम ने लंकापति रावण का वध किया था। इसलिए इस दिन लोग रावण दहन करते हैं। ये पर्व हमें ये संदेश देता है कि अच्छाई की जीत होकर ही रहती है। इस दिन कई जगह आयुध पूजा भी की जाती है।

राम की रावण पर जीत का है प्रतीक

दशहरा यानी विजयादशमी पर्व राक्षस रावण पर भगवान श्री राम की विजय के रूप में मनाया जाता है। तो वहीं इस दिन माता दुर्गा ने दानव महिषासुर का वध भी किया था। इन दो कारणों से हिंदू धर्म में इस पर्व का विशेष महत्व माना जाता है। नेपाल में दशहरा को दशैं के रूप में मनाया जाता है। इस दिन रावण दहन करने की भी परंपरा निभाई जाती है। इस दिन देश भर में जुलूस निकाले जाते हैं, जिसमें दुर्गा, सरस्वती, गणेश, लक्ष्मी और अन्य देवी-देवताओं की प्रतिमाओं को पास की नदियों या समुद्र में ले जाकर विसर्जित कर दिया जाता है। इसके अलावा, बुराई पर अच्छाई की जीत के प्रतीक के रूप में रावण का पुतला जलाया जाता है और आतिशबाजी जलाकर जश्न मनाया जाता है। साथ ही, दिवाली या दीपावली त्यौहार की तैयारियां भी शुरू हो जाती हैं।

पूजा मुहूर्त

ज्योतिष पंचांग के अनुसार इस साल दशमी तिथि 1 अक्टूबर को शाम 7:02 बजे से शुरू होकर 2 अक्तूबर की शाम 7:10 बजे तक रहेगी। ऐसे में इस साल दशहरा 2 अक्टूबर 2025 को मनाया जाएगा। रावण दहन का शुभ मुहूर्त सूर्यास्त के बाद का प्रदोष काल होता है। इस दिन सूर्यास्त शाम 6:05 बजे है, इसलिए रावण दहन इस समय के बाद किया जाएगा।

पूजा विधि

दशहरे के दिन सुबह स्नान करके घर को पवित्र करना चाहिए। घर के उत्तर-पूर्व कोने में पूजा स्थान तैयार करें और वहां गंगाजल छिड़काव कर शुद्धि करें। अपराजिता देवी को स्मरण करते हुए अष्टदल बनाएं और भगवान राम व हनुमान जी की पूजा करें। इस दिन रामायण पाठ, सुंदरकांड और हनुमान चालीसा का पाठ विशेष महत्व रखता है। अस्त्र-शस्त्र पूजन भी इस दिन की विशेष परंपरा है। पूजा के बाद आरती करें और प्रसाद वितरण करें। शाम को रावण, मेघनाद और कुम्भकर्ण के पुतलों का दहन किया जाता है, जो बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है।

इस बार दशहरा गुरुवार को मनाया जायेगा

ऐतिहासिक महत्व

उत्तर से लेकर दक्षिण तक के लोगों की इस त्योहार को लेकर अलग-अलग मान्यताएं हैं। हालांकि, सभी कहानियां बुराई पर अच्छाई की जीत को दर्शाती हैं। महाकाव्य रामायण के अनुसार, जब भगवान राम वनवास में थे, तब रावण ने उनकी पत्नी देवी सीता का अपहरण कर लिया और उन्हें अपने राज्य लंका ले गया। सीता को बचाने के लिए राम ने अपने भाई लक्ष्मण , भगवान हनुमान और बंदरों की सेना की मदद से लंका पर हमला किया। युद्ध के दसवें दिन, दशानन को राम ने हराया था। त्योहार का नाम दो संस्कृत शब्दों दश (दस) और हर (हार) से आया है। यह उत्सव गर्मियों से सर्दियों में बदलाव का भी प्रतिनिधित्व करता है। कुछ इलाकों में लोग सार्वजनिक जुलूस निकालते हैं, तो कुछ इलाकों में वे रामलीला में हिस्सा लेते हैं। कुछ शहरों में रावण दहन का आयोजन किया जाता है। इस त्यौहार की सबसे खास बात पटाखे फोड़ना और दावत खाना है। इस अवसर पर भारत में कई जगहों पर रंग-बिरंगी प्रदर्शनी और मेले आयोजित किए जाते हैं।

दशहरा की परंपरा और अनुष्ठान

दशहरा पूरे भारत में कई अलग-अलग परंपराओं और रीति-रिवाजों के साथ मनाया जाता है। दिल्ली, मैसूर, वाराणसी, कुल्लू और कोलकाता जैसे शहर इस त्यौहार को धूमधाम से मनाने के लिए प्रसिद्ध हैं। भगवान राम के अनुयायी अपनी प्रार्थना करने के लिए उन्हें समर्पित मंदिरों में जाते हैं।

हंसना मना है

बस में एक युवती चढ़ी। कुछ देर बाद एक युवक उठने लगा, तो युवती बोली-'आप बैठे रहें, मैं खड़ी होकर ही यात्रा कर लूंगी। इसी तरह दो-तीन बार हुआ, पर इस बार युवक सीट छोड़कर जाने लगा। युवती ने कहा-आप बैठे रहो न। युवक ने कहा-'आपके 'बैठे रहो' के कारण मैं तीन स्टॉप आगे आ गया हूं।

दुकानदार- बताइए जनाब क्या चाहिए? राहुल- अपने होने वाली बीवी के कुत्ते के लिए केक चाहिए, दुकानदार- यहीं खाओगे या पैक कर दूं।

एक अविवाहित से उसके शादीसुदा मित्र ने पूछा-'आपने आज तक शादी क्यों नहीं की? उसने मुस्कराते हुए उत्तर दिया-'जाको राखे साइयां, मार सके ना कोय।

राजेश-'चुनाव में स्वस्थ अभियान कब होता है? दिलीप-'जब एक उम्मीदवार दूसरे के बारे में झूठ बोलना छोड़ दे एवं दूसरा भी पहले के बारे में सत्य कहना बंद कर दे।

कहानी — चींटी और टिड्डा

गर्मी का मौसम था और एक चींटी कड़ी मेहनत से अपने लिए अनाज जुटा रही थी। वह सोच रही थी कि धूप तेज हो जाए, इससे पहले क्यों न अपना काम पूरा कर लिया जाय। चींटी कई दिनों से इस काम में जुटी थी। वह रोजाना खेत से उठाकर दाने अपने बिल में जमा करती थी। वहीं, पास में ही एक टिड्डा फुदक रहा था। मस्ती में वह नाच रहा था। गाने गाकर जिंदगी के मजे ले रहा था। पसीने से तरबतर चींटी अनाज ढोते-ढोते थक चुकी थी। पीठ पर अनाज लेकर बिल की तरफ जा रही थी, तभी टिड्डा फुदककर उसके सामने आ गया। बोला, प्यारी चींटी क्यों इतनी मेहनत कर रही हो। आओ मजे करें। चींटी ने टिड्डे को नजरअंदाज किया और खेत से एक-एक दाना अपने बिल में जमा करती रही। मस्ती में डूबा टिड्डा चींटी को देखकर हंसता और मजाक उड़ाता। उछलकर उसके रास्ते में आकर कहता, प्यारी चींटी आओ मेरा गाना सुनो। कितना बढ़िया मौसम है। ठंडी हवा चल रही। सुनहरी धूप है। क्यों मेहनत करके इस खूबसूरत दिन को बर्बाद कर रही हो। टिड्डा की हरकतों से चींटी परेशान हो गई। उसने समझाते हुए कहा, सुनो टिड्डा- ठंड का मौसम कुछ दिन बाद ही आने वाला है। तब खूब बर्फ गिरेगी। कहीं भी अनाज नहीं मिलेगा। मेरी सलाह है, अपने खाने का इंतजाम कर लो। धीरे-धीरे गर्मी का मौसम खत्म हो गया। मस्ती में डूबे टिड्डे को पता ही नहीं चला कि गर्मी कब खत्म हो गई। बारिश के बाद ठंड आ गई। कोहरे और बर्फबारी की वजह से बमुश्किल सूरज के दर्शन हो रहे थे। टिड्डे ने अपने खाने के लिए बिल्कुल भी अनाज नहीं जुटाया था। हर ओर बर्फ की मोटी चादर पड़ी थी। भूख से टिड्डा तड़पने लगा। टिड्डे के पास बर्फबारी और ठंड से बचने का भी इंतजाम नहीं था। तभी उसकी नजर चींटी पर पड़ी। अपनी बिल में चींटी मजे से जमा किए हुए अनाज खा रही थी। तब टिड्डे को एहसास हुआ कि समय को बर्बाद करने का उसे फल मिल चुका है। भूख और ठंड से तड़पते टिड्डे की फिर चींटी ने मदद की। खाने के लिए उसे कुछ अनाज दिए। चींटी ने ठंड से बचने के लिए खूब घास-फूस जुटाए थे। उसी से टिड्डे को भी अपना घर बनाने के लिए कहा।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

व्यापार-व्यवसाय में बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी। निवेश शुभ रहेगा। भाग्य का साथ रहेगा।

वृषभ

यात्रा मनोरंजक रहेगी। किसी मांगलिक कार्यक्रम में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा।

मिथुन

व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। समय का अपव्यय होगा। दूर से दु:खद समाचार प्राप्त हो सकता है। विवाद से क्लेश होगा। काम में मन नहीं लगेगा। आय में निश्चितता रहेगी।

कर्क

कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। कोई ऐसा कार्य न करें जिससे कि नीचा देखना पड़े।

सिंह

शत्रु शांत रहेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। घर में प्रतिष्ठित अतिथियों का आगमन हो सकता है।

कन्या

भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। रोजगार प्राप्ति सहज ही होगी। व्यावसायिक यात्रा से लाभ होगा। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। प्रसन्नता रहेगी।

तुला

अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। पुराना रोग उभर सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी भी अपरिचित व्यक्ति पर अंधविश्वास न करें।

वृश्चिक

प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। शुभ समाचार मिल सकता है। शारीरिक कष्ट संभव है। अज्ञात भय रहेगा। लेन-देन में सावधानी रखें। चिंता रहेगी।

धनु

आराम का समय मिलेगा। आशंका-कुशंका रहेंगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। प्रमाद न करें।

मकर

यात्रा मनोनुकूल लाभ देगी। राजभय रहेगा। जल्दबाजी व विवाद करने से बचें। थकान महसूस होगी। किसी के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है।

कुम्भ

वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। किसी अपने का व्यवहार प्रतिकूल रहेगा। शारीरिक शिथिलता रहेगी। काम में मन नहीं लगेगा।

मीन

कष्ट, भय व चिंता का वातावरण बन सकता है। विवेक से कार्य करें। समस्या दूर होगी। कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति मनोनुकूल बनेगी। धनार्जन होगा।

बॉलीवुड | मन की बात

मुझे असल पहचान फिल्म एनिमल से मिली : तृप्ति डिमरी

तृप्ति डिमरी ने साल 2017 में पोस्टर ब्वॉयज से अपना करियर शुरू किया था। मगर पॉपुलैरिटी लैला मजनू से मिली। फिर उन्होंने बुलबुल और कला जैसी क्लासिक कल्ट मूवीज से तारीफें बटोरीं। हालांकि, उन्हें असली पहचान संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म एनिमल से मिली। 2023 में रिलीज हुई एनिमल ने तृप्ति डिमरी को रातोंरात नेशनल क्रश बना दिया। इसके बाद उनकी झोली में कई बड़ी फिल्में आईं। अब तृप्ति का कहना है कि इस फिल्म को साइन करने के बाद वह क्यों उलझन में आ गई थीं। मगर रिलीज के बाद उनकी जिंदगी में बड़ा टर्न आ गया। दरअसल, एनिमल मूवी में तृप्ति का किरदार बहुत छोटा सा था। वह कुछ मिनट के लिए फिल्मों में आई थीं। लैला मजनू से उन्हें जो पॉपुलैरिटी मिली थी, उसके बाद यूं फिल्म में छोटा सा रोल निभाना, उनके लिए चैलेंजिंग था। फिल्मफेयर के साथ बातचीत में एक्ट्रेस ने कहा, मुझे लगा था कि लैला मजनू से मुझे पहचान मिलेगी, लेकिन असल में यह एनिमल से मिली। मुझे लगा था कि यह छोटा सा रोल है तो मेरा क्या ही होगा। तृप्ति डिमरी ने आगे कहा, मगर डायरेक्टर संदीप (रेड्डी वांगा) सर को मुझ पर पूरा भरोसा था। उन्होंने कहा कि यह फिल्म मेरे लिए बहुत अच्छी साबित होगी और उन्होंने जो कहा, वही हुआ। यह मेरे लिए बहुत बड़ी ब्लेसिंग है और मुझे बहुत प्यार मिला। मुझे खुशी है कि एनिमल की वजह से लोगों ने मेरी पुरानी फिल्में बुलबुल, काला और लैला मजनू भी देखीं। तृप्ति डिमरी हाल ही में सिद्धांत चतुर्वेदी के साथ फिल्म में धड़क 2 में नजर आईं जिसके लिए उन्हें काफी तारीफ मिली। अब वह प्रभास के साथ संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म स्पिरिट में दिखाई देंगी। इस फिल्म में उनसे पहले दीपिका पादुकोण लीड रोल निभाने वाली थीं। इसके अलावा उनके पास ओ रोमियो नाम की भी फिल्म है।

100 करोड़ के क्लब में शामिल होने को तैयार फिल्म 'जॉली एलएलबी-3'

बॉलीवुड की चर्चित कोर्टरूम ड्रामा सीरीज 'जॉली एलएलबी' का तीसरा पार्ट सिनेमाघरों में शानदार ओपनिंग करने में सफल तो रहा लेकिन उस प्रदर्शन को फिल्म बरकरार नहीं रख पाई है। निर्देशक सुभाष कपूर की इस फिल्म ने रिलीज के 11 दिन में करीब 92.49 करोड़ रुपये का कलेक्शन पूरा किया है। हालांकि अब बॉक्स ऑफिस पर फिल्म लगातार गिरावट की ओर बढ़ रही है।

फिल्म ने 19 सितंबर को सिनेमाघरों में दस्तक दी थी। पहले ही दिन 'जॉली एलएलबी 3' ने 12.5 करोड़ रुपये कमाकर उम्मीद जगाई। इसके बाद दूसरे दिन शनिवार को कलेक्शन 20 करोड़ रुपये और तीसरे दिन रविवार को 21 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। हालांकि चौथे दिन यानी सोमवार को गिरावट दर्ज हुई और फिल्म ने 5.5 करोड़ रुपये कमाए। सप्ताह के बाकी दिनों में आंकड़े स्थिर रहे और पहले सात दिन का कुल कारोबार 74 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। दूसरे हफ्ते की शुरुआत 8वें दिन शुक्रवार को 3.75 करोड़ रुपये से हुई। शनिवार को कमाई उछाल मारकर 6.5 करोड़ रुपये तक पहुंची और रविवार को 6.25 करोड़ रुपये दर्ज की गई। 11वें दिन यानी दूसरे सोमवार को फिल्म ने 1.99 करोड़ रुपये कमाए। इस तरह अब तक फिल्म का कुल कलेक्शन 92.49 करोड़ रुपये हो चुका है।

दर्शकों और समीक्षकों की प्रतिक्रिया

दर्शक 'जॉली एलएलबी 3' को काफी सराह रहे हैं। फिल्म का कोर्टरूम ड्रामा दर्शकों को मनोरंजन के साथ सोचने पर भी मजबूर करता है। ट्रेड एनालिस्ट्स का मानना है कि अगले कुछ दिनों में यह फिल्म 100 करोड़ का आंकड़ा पार कर लेगी। अक्षय कुमार और अरशद वारसी की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री एक बार फिर सफल साबित हुई है।

स्टार कास्ट और फिल्म की ताकत

'जॉली एलएलबी 3' की सबसे बड़ी ताकत है इसकी दमदार स्टारकास्ट। अक्षय कुमार और अरशद वारसी की कोर्टरूम में तकरार दर्शकों को बांधे रखती है। वहीं सौरभ शुक्ला, अमृता राव और हुमा कुरैशी के किरदार कहानी को और गहराई देते हैं। इस बार फिल्म किसानों की समस्याओं पर केंद्रित है। हास्य और गंभीर मुद्दों का संतुलन इस फिल्म को बाकी फिल्मों से अलग बनाता है। गजराज राव और सीमा बिस्वास जैसे कलाकारों की मौजूदगी ने इसे और प्रभावशाली बना दिया है।

लापता लेडीज गर्ल निताशी गोयल चलीं साउथ, विजय देवरकोंडा के भाई आनंद संग पर्दे पर करेंगी रोमांस

फिल्म लापता लेडीज से पहचान बनाने वाली अभिनेत्री निताशी गोयल अब एक बड़े प्रोजेक्ट में नजर आने वाली हैं। फिल्मफेयर की रिपोर्ट के मुताबिक निताशी जल्द ही तेलुगु सिनेमा के लोकप्रिय चेहरे आनंद देवरकोंडा के साथ अपनी पहली पैन-इंडिया फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगी। लंबे समय से निताशी के फैंस उनकी अगली फिल्म का इंतजार कर रहे हैं और अब इस खबर के बाद फैंस की एक्साइटमेंट काफी बढ़ गई है।

किरण राव के निर्देशन में बनी लापता लेडीज में निताशी गोयल की एक्टिंग को खूब सराहा गया था। उनके साथ इस फिल्म में प्रतिभा रांटा और स्पर्श श्रीवास्तव भी मुख्य भूमिकाओं में थे। साधारण लड़की के किरदार को उन्होंने जिस गहराई और मासूमियत से निभाया, उसने दर्शकों के दिल में खास जगह बनाई। इसी फिल्म ने उन्हें इंडस्ट्री का उभरता सितारा बना दिया।

अब खबर है कि निताशी, आनंद देवरकोंडा के साथ एक पैन-इंडिया प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने जा रही हैं। इस फिल्म को सितारा एंटरटेनमेंट प्रोड्यूस कर रही है और शूटिंग अगले महीने शुरू होगी। बताया जा रहा है कि यह प्रोजेक्ट 2025 की सबसे बड़ी क्रॉस-इंडस्ट्री फिल्मों में से एक होगा, जिसमें हिंदी और साउथ सिनेमा की लोकप्रियता को जोड़कर नए दर्शकों तक पहुंचने की कोशिश की जाएगी। हालांकि फिलहाल मेकर्स की ओर से इसे लेकर कोई ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं किया गया है।

अजब-गजब | चरवाहे के अहंकार की वजह से पलायन हुआ पूरा समुदाय

एमपी के इस गांव में बकरी पालना मना जिसने भी पाली उसका हुआ वंश नाश!

छतरपुर। मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में एक ऐसा भी गांव हैं, जहां भेड़-बकरी पालने वाले लोग नहीं रह सकते हैं। दरअसल छतरपुर जिले के लवकुश नगर में लगभग 300 साल पहले पाल समाज को गांव की माता ने श्राप दे दिया था। जिसके चलते आज भी इस गांव में पाल समाज के लोग नहीं रहते हैं। लवकुश नगर के रहने वाले राजेंद्र देव सिंह बताते हैं कि आज से करीब 300 साल पहले जंगल वाली पहाड़ी में एक चरवाहा अपनी बकरियों को चरा रहा था। चरवाहे को पता चला कि इस पहाड़ी पर एक छोटा सा कुंड है, जिसे लोग जल से भर नहीं पा रहे हैं। इसके बाद पाल समाज का यह चरवाहा उस कुंड को अच्छे से साफ करता है और सभी के सामने कहता है कि आप लोग इस कुंड को जल से नहीं भर पा रहे हैं लेकिन वह इस कुंड को दूध से भर देगा।

उन्होंने बताया कि चरवाहे के पास जितनी बकरियां थीं, वह उन सभी बकरियों का दूध कुंड में डाल देता है लेकिन इसके बाद भी कुंड नहीं भरता है। वह अपने परिवार और रिश्तेदारों की सभी बकरियों का दूध लेकर आया लेकिन

कुंड को नहीं भर पाया। कुंड का यह चमत्कार पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गया। यह चर्चा महाराज हिंदूपत के पास भी पहुंची। वह खुद इस कुंड के दर्शन करने आए। लोगों की आस्था इस कुंड के प्रति जागृत हुई और यहां पर माता का मंदिर बनाया गया। महाराज हिंदूपत ने सीढ़ियां बनवाई थीं। बुजुर्ग राजेंद्र बताते हैं कि पहाड़ की चट्टान में एक गड्ढा है, जो 9 इंच गहरा और 4 इंच चौड़ा है।

इतिहासकार डॉ. काशी प्रसाद त्रिपाठी की बुंदेलखंड का वृहद इतिहास के अनुसार स्वप्न मिलने पर तत्कालीन पन्ना महाराज हिंदूपत ने 1758-76 ईस्वी के मध्य चमत्कारिक कुंड स्थान में माता बंबरबेनी का निर्माण कराया था।

वहीं पुजारी बृजेश शर्मा बताते हैं कि इस कुंड में मां सीता अपनी गोद में लव और कुश को लिए दिखती हैं। यह वह चमत्कारिक कुंड है, जिसे पाल समाज के एक व्यक्ति ने दूध से भरने का प्रयास किया था लेकिन घमंड आने की वजह से यह कुंड नहीं भर पाया और मां ने उस समय के राजा को सपना दिया कि मेरे खेरे में या मेरे मौजा में यहां कोई भी पाल समाज का व्यक्ति नहीं रहेगा। इसके बाद यहां से पाल समाज के लोग विस्थापित होने लगे क्योंकि उन्हें दिक्कतें होने लगी थीं। स्थानीय निवासी जगदीश नामदेव बताते हैं कि आज भी इस खेरी में या इस मौजा में कोई भी पाल समाज का व्यक्ति स्थायी तौर पर नहीं रहता है। साथ ही बकरी पालक भी नहीं रह सकता है। अगर रहता है, तो उसे कष्ट होने लगते हैं, जिसकी वजह से यहां पाल समाज के व्यक्ति नहीं रहते हैं। उनका वंश नाश होने लगता है।

चिड़ियां की छाती से निकलता है ये खजाना, खासियत उड़ा देगा होश!

एक ऐसी चीज जो सोने, हीरे या प्लेटिनम से भी दुर्लभ है। हम बात कर रहे हैं है ईडरडाउन की। ये प्रकृति का एक ऐसा चमत्कार है जो कभी गीला ही नहीं होता। आप चाहे इसे पानी में भिगो ही क्यों ना दें, ये फिर भी गीला नहीं होगा। ये ईडर बत्तख के पेट के नीचे के मुलायम फेदर से बनता है। यह सामान इतना हल्का और गर्म है कि दुनिया भर में सालाना सिर्फ 4 टन ही इकट्ठा होता है। इसके उत्पादन का सबसे बड़ा हिस्सा आइसलैंड से आता है। दुनिया के कुल प्रॉडक्शन का 75प्रतिशत उत्पादन इसी देश से होता है। जहां हर बत्तख के नेस्ट से 15-17 ग्राम बाल इकट्ठा किए जाते हैं। एक किलो ईडरडाउन के लिए 66 बत्तखों के नेस्ट साफ करने पड़ते हैं और एक क्विल्ट बनाने में 1 किलो लगता है। इसी वजह से इसकी कीमत भी काफी ज्यादा है, जिसे जानकर शायद आपके होश उड़ जाएंगे। इससे बनने वाली चादर की कीमत 15,000 डॉलर यानी करीब 12 लाख रुपये है। जी हां, चूंकि ये काफी कम मिलता है, इस वजह से इससे बनी चीजें काफी महंगी है। सबसे पहले ये जान लेते हैं कि आखिर ईडरडाउन क्या है? ईडर बत्तख एक समुद्री पक्षी है, जो आर्कटिक और उत्तर अटलांटिक में पाया जाता है। मादा बत्तख नेस्ट बनाने के लिए अपनी छाती के फेदर उखाड़कर बिछाती है, जो अंडों को गर्म रखते हैं। ये फेदर इतने खास हैं कि 99 प्रतिशत पानी को सोखते ही नहीं क्यूंकि ये हाइड्रोफोबिक प्रॉपर्टी के होते हैं। अंडों को नमी से बचाने में ये फीचर काफी मदद करता है। ईडरडाउन को पानी में डुबोने पर यह तैरता रहता है और बिल्कुल गीला नहीं होता है। वैज्ञानिकों के मुताबिक, फेदर की संरचना में छोटे-छोटे एयर पॉकेट्स होते हैं, जो हवा फंसाते और इंसुलेशन देते हैं। एक स्टडी में पाया गया कि ईडरडाउन 7 गुना ज्यादा गर्म रखता है अन्य डाउन से और ये वजन में सबसे हल्का होता है। वॉलबैक जैसी कंपनियां इसे पफर जैकेट्स में यूज करती है जो यह कभी गीला नहीं होने से आउटडोर एडवेंचर के लिए परफेक्ट माना जाता है।

क्रिकेट मैच की तुलना युद्ध से करना गलत : खेड़ा

पीएम की 'ऑपरेशन सिंदूर' टिप्पणी पर भड़की कांग्रेस

» पार्टी बोली- सस्ते ट्रोल और पीएम में अंतर हो

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा एशिया कप जीत को ऑपरेशन सिंदूर से जोड़ने पर सियासी बवाल मच गया है। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने इस पर कड़ी आपत्ति जताई है। खेड़ा ने क्रि केट मैच की तुलना युद्ध से करना अनुचित बताया और कटाक्ष किया कि अच्छे कप्तान जीत के करीब आकर सीजफायर नहीं करते, जिससे यह बयान राजनीतिक विवाद का रूप ले चुका है। रविवार को रोमांचक फाइनल में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान पर पाँच विकेट से जीत के साथ भारत के नौवें एशिया कप खिताब पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए टीम इंडिया को बधाई दी।

प्रधानमंत्री मोदी ने एक पोस्ट में कहा, खेल के मैदान पर ऑपरेशन सिंदूर। नतीजा वही - भारत जीतता है! हमारे क्रिकेटरों को बधाई। हालांकि, इसको लेकर कांग्रेस ने मोदी पर सवाल खड़ कर दिए है। कांग्रेस ने पहले तो टीम इंडिया को जीत की बधाई नहीं दी, और अब पर मोदी की अलोचना करने लगे है। कहा कि उनके नेतृत्व ने क्रिकेटरों का आत्मविश्वास बढ़ाया और उन्हें और अधिक स्वतंत्रता से खेलने में सक्षम बनाया। वह दुबई अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में 2025 एशिया कप के फाइनल में पाकिस्तान पर अपनी टीम की पांच विकेट से जीत के एक दिन बाद बोल रहे थे। भारत द्वारा आखिरी ओवर में रिंकू सिंह द्वारा विजयी चौका लगाकर जीत हासिल करने के कुछ ही मिनट बाद, प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पर इसे खेल के मैदान पर ऑपरेशन सिंदूर करार दिया। उन्होंने क्रिकेट में इस जीत की तुलना मई में देश के सैन्य अभियान से की, जिसमें उन्होंने कश्मीर के पहलगाम हमले का बदला लेने के लिए पाकिस्तान में आतंकी ढांचे को रणनीतिक रूप से ध्वस्त कर दिया था, जहां बंदूकधारियों ने 26 भारतीयों की बेरहमी से हत्या कर दी थी।

थर्ड अंपायर के कहने पर अच्छे कप्तान सीजफायर नहीं करते

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने एक्स पर लिखा कि प्रधानमंत्री जी, पहली बात तो एक क्रिकेट मैच की तुलना युद्ध के मैदान से करना ठीक नहीं है। दूसरी बात, अगर आपने तुलना कर ही दी तो आपको भारतीय टीम से यह सीखने की जरूरत है कि जब जीत के करीब हों, तो किसी थर्ड अंपायर के कहने पर अच्छे कप्तान सीजफायर नहीं करते। वहीं, सुप्रिया श्रीनेत ने लिखा कि इस देश के प्रधानमंत्री और एक सस्ते ट्रोल में कुछ तो अंतर होना चाहिए। हमारी बेटियों के सिंदूर उजाड़ने वालों के साथ क्रिकेट खेला। और फिर सेना के शौर्य ऑपरेशन सिंदूर की बराबरी क्रिकेट मैच से की। हिम्मत है यह घटिया बात पहलगाम के शहीदों की विधवाओं से कहने की? भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पाकिस्तान के खिलाफ फ्रंट फुट पर बल्लेबाजी करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा की।

पहलगाम के पीड़ितों को पूरी कमाई दे बीसीसीआई : आप

» सूर्या के मैच फीस दान के बाद बोले सौरभ भारद्वाज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी प्रदेश संयोजक सौरभ भारद्वाज ने हाल ही में एशिया कप 2025 में भारत-पाकिस्तान मैचों का विरोध करते हुए भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्य कुमार यादव को चुनौती दी। उन्होंने कहा था कि सूर्य कुमार यादव, अगर तुममे हिम्मत हो तो मैच फीस पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों को दान कर दो तो हम भी मान जाएंगें। एशिया कप 2025 जीत के बाद भारतीय टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने आम आदमी पार्टी नेता सौरभ भारद्वाज के चैलेंज का जवाब देते हुए अपनी सारी मैच फीस भारतीय सेना को देने का एलान किया। सूर्यकुमार के इस कदम के बाद सौरभ भारद्वाज का नया बयान सामने आया है। उन्होंने अपने पिछले बयान से पलटते हुए फोकस को सूर्य कुमार से हटाकर केंद्र सरकार, बीसीसीआई और आईसीसी पर डाल दिया।

अब सौरभ भारद्वाज ने अपने बयान पर यूटर्न लेते हुए कहा कि यह अच्छा कदम है, लेकिन असली संवेदना दिखाने के लिए केंद्र सरकार और बीसीसीआई/आईसीसी को एशिया कप के भारत-पाक मैचों से हुई कुल कमाई को पहलगाम हमले के 26 पीड़ित परिवारों को दान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि क्रिकेटरों की व्यक्तिगत दान से काम नहीं चलेगा, बल्कि पूरे आयोजन की कमाई को पीड़ितों तक पहुंचाना जरूरी है। बीसीसीआई और आईसीसी को अपने विज्ञापन, टिकट, और टीवी ब्रॉडकास्टिंग से मिले सारे पैसे पीड़ितों तक पहुंचाने चाहिए। यही सच्चा सम्मान और देशभक्ति होगी। भारद्वाज ने कहा कि बीसीसीआई की कमाई 490 से 690 करोड़ रुपये तक बताई जा रही है।

सूर्या बने एशिया कप जिताने वाले भारत के छठे कप्तान

» भारत को जिताया नौवीं बार खिताब, धोनी-रोहित जैसे दिग्गजों की लिस्ट में हुए शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दुबई। भारत ने रिकॉर्ड नौवीं बार एशिया कप की ट्रॉफी पाकिस्तान को हराकर अपने नाम की और एक बार फिर साबित कर दिया कि एशियाई क्रिकेट में उसका दबदबा कायम है। इसी के साथ मिस्टर 360 के नाम से मशहूर सूर्यकुमार ने बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। वह धोनी, रोहित, सुनील गावस्कर और मोहम्मद अजहरुद्दीन जैसे दिग्गजों की एलीट सूची में शामिल हो गए, जिनकी कप्तानी में भारत एशिया का बादशाह बनने में कामयाब रहा।

एशिया कप की शुरुआत 1984 में हुई थी। 2016 में पहली बार यह टूर्नामेंट टी20 प्रारूप में खेला गया। भारतीय टीम ने नौवीं बार एशिया कप की ट्रॉफी अपने नाम की। वहीं, पाकिस्तान ने दो बार जबकि श्रीलंका ने छह बार एशिया कप की ट्रॉफी उठाई है। 1984 में सुनील गावस्कर की अगुवाई में एशिया कप के पहले संस्करण का खिताब पाकिस्तान को हराकर भारत ने ही जीता था। फिर 1988 में भारत ने दिलीप वेंगसरकर की कप्तानी में श्रीलंका को हराकर जीता। उसके बाद 1991 में मोहम्मद अजहरुद्दीन कप्तानी में फिर श्रीलंका को हराकर भारत ने खिताब अपने नाम किया। 1995 में भी अजहरुद्दीन ने श्रीलंका को हराकर भारत को कप दिलाया। फिर 2010 में महेंद्र सिंह धोनी ने श्रीलंका को मात देकर खिताब अपने नाम किया। 2016 में धोनी ने ही बांग्लादेश को हराकर ट्राफी जीती। वहीं 2018 में रोहित शर्मा की अगुवाई में सातवीं बार एशिया कप का खिताब बांग्लादेश को हराकर जीता। 2023 में भी रोहित ने श्रीलंका को हराकर आठवीं बार कप भारत को दिलाया।

क्रिस वोक्स ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

नई दिल्ली। इंग्लैंड के स्टार ऑलराउंडर क्रिस वोक्स ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। उन्होंने कहा, वक्त आ गया है और मैंने क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला किया है। 36 वर्षीय खिलाड़ी को हाल ही में एशेज सीरीज के लिए चुने गए स्क्वॉड में शामिल नहीं किया गया था। वोक्स कंधे की चोट से जूझ रहे थे, जो उन्हें भारत के खिलाफ जुलाई में खेले गए पांचवें टेस्ट में लगी थी। इंग्लैंड पुरुष टीम के प्रबंध निदेशक रॉब की ने कहा था कि वोक्स हमारी भविष्य की योजनाओं में नहीं हैं। इसी के बाद उन्होंने संन्यास का फैसला लिया। वोक्स ने अपने करियर में 62 टेस्ट, 122 वनडे और 33 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले। उन्हें आखिरी बार इंग्लैंड के लिए भारत के खिलाफ ओवल टेस्ट में खेलते देखा गया था। इस मैच में वह कंधे पर पट्टी बांधकर नंबर 11 पर बल्लेबाजी करने उतरे थे।

पहले पीड़ितों का दर्द सुनेंगे फिर रिपोर्ट देंगे : अनुराग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने मंगलवार को कहा कि तमिलनाडु के करूर का दौरा करने वाला भाजपा-एनडीए नेताओं का प्रतिनिधिमंडल पहले उन लोगों के विचार सुनेगा जिन्होंने भगदड़ में अपने परिजनों को खोया है, उसके बाद अधिकारियों से प्रतिक्रिया एकत्र करेगा और इस दुखद घटना के बारे में एक रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा।

भाजपा-एनडीए प्रतिनिधिमंडल में शामिल ठाकुर ने एएनआई को बताया कि पहले हम उन लोगों के विचार सुनेंगे जिन्होंने अपने परिजनों को खोया है, स्थानीय लोगों और अधिकारियों से बात करेंगे, प्रतिक्रिया लेंगे और फिर हम अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। करूर का दौरा करने वाले आठ सदस्यीय एनडीए-भाजपा नेताओं का प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को कोयंबटूर पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल 27 सितंबर की भगदड़ की परिस्थितियों की जांच करेगा।

मनुवादी सोच के बहकावे में न आएं लोग: सिद्धारमैया

» जाति जनगणना पर सीएम का आह्वान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलूर । कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने चल रहे सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक सर्वेक्षण का विरोध करने वाले भाजपा नेताओं पर निशाना साधा और उनके रुख को पाखंडी और मनुवादी मानसिकता से प्रेरित बताया। सर्वेक्षण को किसी के खिलाफ नहीं बल्कि सभी के पक्ष में बताते हुए एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि यह सर्वेक्षण राज्य के सभी सात करोड़ निवासियों को शामिल करता है ताकि समान प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जा सके। सिद्धारमैया ने लिखा कि मनुवाद की विचारधारा यह तय करती है कि धन, अवसर और प्रतिनिधित्व एक ही हाथों में केंद्रित रहें।

गरीब गरीब ही रहें, पिछड़े पिछड़े ही रहें, महिलाएं अवसरों से वंचित रहें और जातियों व समुदायों के बीच असमानता बनी रहे। दुर्भाग्य से, यह मनुवादी मानसिकता भाजपा नेताओं के भीतर गहराई से समाई हुई है। सर्वेक्षण के प्रति उनका विरोध इस प्रतिगामी विचार से उपजा है कि धन, अवसर और प्रतिनिधित्व प्रत्येक जाति और धर्म के विशेषाधिकार प्राप्त लोगों तक ही सीमित रहना चाहिए। उन्होंने नागरिकों से राजनीति से प्रेरित और भ्रामक बयानों को नजरअंदाज करने और गणनाकर्ताओं के साथ सहयोग करने का आग्रह किया।

लेह निकाय का केंद्र से बातचीत से इनकार

» राष्ट्र-विरोधी टिप्पणी पर माफी की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) ने घोषणा की कि वह केंद्र के साथ निर्धारित वार्ता का बहिष्कार करेगी और 24 सितंबर को सुरक्षा बलों द्वारा की गई गोलीबारी की निष्पक्ष न्यायिक जांच की मांग करेगी। गोलीबारी में चार लोग मारे गए थे और लगभग 90 अन्य घायल हुए थे। केंद्र और लद्दाख के प्रतिनिधियों, जिनमें लेह एपेक्स बॉडी और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) के सदस्य शामिल थे, के बीच अगले दौर की वार्ता 6 अक्टूबर को निर्धारित थी।

एलएबी, जो केडीए के साथ मिलकर लद्दाख के राज्य के दर्जे और संवैधानिक सुरक्षा उपायों के लिए आंदोलन का नेतृत्व कर रहा है, ने लद्दाखी प्रदर्शनकारियों को राष्ट्र-विरोधी और पाकिस्तान के हाथों में खेलने वाला कहने के लिए केंद्र से माफी की भी मांग की। यह मांग लद्दाख में छठी अनुसूची के तहत राज्य का दर्जा और संवैधानिक सुरक्षा उपायों की मांग को लेकर चल रहे आंदोलन के बीच आई है। एलएबी और केडीए दोनों ने केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन पर पिछले हफ्ते लेह में हुए विरोध प्रदर्शनों को ठीक से न संभालने का आरोप लगाया है।

6वीं अनुसूची की मांग जरूरी : आगा रूहुल्लाह

सांसद आगा रूहुल्लाह ने कहा कि 5 अगस्त 2019 के फैसलों ने जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के लोगों से उनके अधिकार, विशेष दर्जा और आत्मनिर्णय की शक्ति छीन ली। उन्होंने गांदरबल के नीलगर्थ सोनमर्ग में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि 2019 में कुछ लोगों को गुमराह किया गया, लेकिन अब उन्हें भी समझ आ गया है कि वे फैसले उनके खिलाफ थे। लेह और करगिल के लोगों ने या तो फिर से कश्मीर से जुड़ने या छठी अनुसूची के तहत संवैधानिक सुरक्षा की मांग की है, जो पूरी तरह जायज है।

कांग्रेस ने रची लद्दाख की अशांति की साजिश: मंजूर भट

भाजपा के जम्मू-कश्मीर प्रवक्ता मंजूर भट ने बांदीपोरा में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कांग्रेस पर लद्दाख में हुई अशांति की साजिश रचने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यह घटना पूर्व नियोजित थी और इसमें शामिल लोगों को जेल भेजा जाना चाहिए। भट ने कांग्रेस को हिंसक गतिविधियों में लिप्त पार्टी बताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार देश के विकास पर केंद्रित है।

ममता की ताली पर मचा सियासी बवाल

दुर्गा पंडाल में गूंजा मेरे दिल में काबा, टीएमसी पर हमलावर हुई भाजपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। कोलकाता के दुर्गा पूजा पंडाल में टीएमसी विधायक मदन मित्रा द्वारा मेरे दिल में काबा है.. गाने और सीएम ममता बनर्जी के ताली बजाने पर विवाद छिड़ गया है। भाजपा नेताओं ने इसे तुष्टीकरण की राजनीति और हिंदू शक्ति पर हमला बताया। उन्होंने सवाल उठाया कि नवरात्रि में दुर्गा पंडाल में दूसरे धर्म का गीत क्यों, जबकि राम मंदिर जैसे आयोजनों से दूरी बनाई जाती है। यह घटना धर्मनिरपेक्षता पर गंभीर सवाल उठा रही है।

पश्चिम बंगाल के कोलकाता में एक दुर्गा पूजा पंडाल के अंदर तृणमूल कांग्रेस के विधायक मदन मित्रा का एक वीडियो सामने आया है। वीडियो में, विधायक को मेरे दिल में काबा है और मेरी आँखों में मदीना है गाते हुए सुना जा सकता है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ताली बजाते और उनके प्रदर्शन का आनंद लेते हुए देखी जा सकती हैं। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की वरिष्ठ सलाहकार कंचन गुप्ता ने एक्स पर यह वीडियो शेयर किया है। पोस्ट के कैप्शन में लिखा है, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ताली बजा रही हैं, जबकि उनके चाटुकार मदन मित्रा पश्चिम बंगाल के कोलकाता में एक दुर्गा पूजा पंडाल के अंदर ...मेरे दिल में काबा है और मेरी आँखों में मदीना है गा रहे हैं।

भाजपा आईटी सेल ने वीडियो किया जारी

वीडियो को भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने भी एक्स पर साझा किया। पोस्ट के कैप्शन में लिखा है, ममता बनर्जी ने अशुभ पितृ पक्ष के दौरान हिजाब पहनकर कई पूजा पंडालों का उद्घाटन किया, उनके एक सहयोगी मदन मित्रा ने पश्चिम बंगाल के कोलकाता में एक दुर्गा पूजा पंडाल के अंदर गाया, मेरे दिल में काबा है और मेरी आंखों में मदीना है।

इंडिया गठबंधन के नेताओं के दुर्भावनापूर्ण विचार और संदिग्ध भावनाएँ सामने आ रही है : भाजपा

भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि जब पूरा देश नवरात्रि मना रहा है, तब इंडिया गठबंधन के नेताओं के दुर्भावनापूर्ण विचार और संदिग्ध भावनाएँ सामने आ रही हैं। मार्च 2014 में, राहुल गांधी ने कहा था कि उन्हें हिंदू धर्म की शक्ति से लड़ना होगा। ऐसा लगता है कि इस नवरात्रि में उस शक्ति पर हमला शुरू हो गया है। हाल ही में, कर्नाटक सरकार ने बानू मुश्ताक को एक देवी मंदिर में पूजा-अर्चना करवाई। भाजपा नेता ने सवाल किया कि क्या हिंदू धर्म की शक्ति से लड़ने और उस पर हमला करने और हिंदू धर्म को जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए बारूदी सुरगें बिछाई जा रही हैं?... पूजा के दौरान किसी दूसरे धर्म का गीत गाना उनके लिए धर्मनिरपेक्षता है। कट्टरपंथी वोट हासिल करने की यही हद है, और देश को इससे अवगत होने की ज़रूरत है।

कमलताई के बुलावे पर सियासत गरमाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» आएसएस के शताब्दी समारोह की मुख्य अतिथि होंगी सीजेआई की माँ विचारधारा बनाम राजनीति की बहस शुरू

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) अपने शताब्दी वर्ष की तैयारियों के अंतर्गत इस बार विशेष रूप से समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुँच बनाने की कोशिश कर रहा है। संघ ने इस वर्ष विजयादशमी के अवसर पर अमरावती (महाराष्ट्र) में आयोजित कार्यक्रम में भारत के मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई की माता डॉ. कमलताई गवई को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया है। यह निमंत्रण केवल एक पारिवारिक या सांस्कृतिक संदर्भ नहीं है, बल्कि एक गहरे राजनीतिक और वैचारिक संदेश के रूप में देखा जा रहा है।

हम आपको बता दें कि डॉ. कमलताई गवई, स्वर्गीय आर.एस. गवई की पत्नी हैं, जो विदर्भ में अंबेडकरी आंदोलन के एक बड़े नेता रहे हैं और महाराष्ट्र के गवर्नर सहित कई संवैधानिक पदों पर कार्य कर चुके हैं। उनका परिवार लंबे समय से बौद्ध आंदोलन और दलित चेतना से जुड़ा रहा है। यही कारण है कि संघ द्वारा उन्हें मुख्य अतिथि बनाना और उनका इसे स्वीकार करना बहस का विषय बन गया है। हम आपको बता दें कि आरएसएस की स्थापना 1925 में विजयादशमी के दिन डॉ. के.बी. हेडगेवार द्वारा की गयी थी। 2025 इसका शताब्दी वर्ष है और इस अवसर पर संघ ने देशभर में लाखों 'हिंदू सम्मेलनों' और हजारों संगोष्ठियों का आयोजन करने का निर्णय लिया है। नागपुर में संघ प्रमुख मोहन भागवत का पारंपरिक विजयादशमी भाषण 2 अक्टूबर को होगा, जबकि अमरावती का कार्यक्रम एक तरह से स्थानीय स्तर पर इसकी श्रृंखला का हिस्सा है।

राजनीतिक हलकों में कई सवाल उठे

हम आपको बता दें कि इस निमंत्रण को स्वीकार करने पर राजनीतिक हलकों में कई सवाल उठे हैं। गवई परिवार के सदस्य और डॉ. कमलताई गवई के पुत्र राजेंद्र गवई ने साफ कहा है कि व्यक्तिगत और राजनीतिक रिश्ते अलग-अलग होते हैं। उन्होंने यह भी जोड़ा कि उनकी विचारधारा मजबूत है और वह इसे किसी भी परिस्थिति में नहीं छोड़ते। यह बयान इस दृष्टि से महत्वपूर्ण है कि इससे संघ के मंच पर उपस्थिति को किसी राजनीतिक सहमति के रूप में नहीं, बल्कि विचारधारात्मक संवाद या सांस्कृतिक संपर्क के रूप में प्रस्तुत करने की कोशिश की जा रही है।

मुंबई-दिल्ली रूट पर इंडिगो की फ्लाइट में बम की धमकी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मुंबई से राष्ट्रीय राजधानी जा रही इंडिगो की एक उड़ान में बम की धमकी मिलने के बाद दिल्ली हवाई अड्डे पर पूर्ण आपातकाल घोषित कर दिया गया। रिपोर्ट में कहा गया है कि उड़ान 6ई 762 में लगभग 200 लोग सवार थे और सुरक्षा एजेंसियों ने पाया कि यह धमकी अस्पष्ट थी। इंडिगो के एक प्रवक्ता ने कहा कि 30 सितंबर 2025 को मुंबई से दिल्ली जाने वाली इंडिगो की उड़ान 6श 762 में एक सुरक्षा खतरा देखा गया था।

स्थापित प्रोटोकॉल का पालन करते हुए, हमने संबंधित अधिकारियों को तुरंत सूचित किया और विमान को उड़ान भरने की अनुमति देने से पहले आवश्यक सुरक्षा जाँच करने में उनका पूरा सहयोग किया। एक सूत्र ने समाचार एजेंसी को बताया कि दिल्ली हवाई अड्डे पर उड़ान के लिए पूर्ण आपातकाल घोषित कर दिया गया था। उड़ान ट्रैकिंग वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, एयरबस 321 नियो विमान से संचालित यह उड़ान सुबह लगभग 7.53 बजे उतरी। इंडिगो के प्रवक्ता ने कहा कि हमने अपने ग्राहकों की असुविधा को कम करने के लिए हर संभव प्रयास किया है, जिसमें उन्हें जलपान उपलब्ध कराना और नियमित अपडेट साझा करना शामिल है। पिछले हफ्ते, मुंबई से थाईलैंड के फुकेत जा रही इंडिगो की एक उड़ान को कथित बम की धमकी के बाद चेन्नई हवाई अड्डे पर आपातकालीन लैंडिंग करानी पड़ी।

पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ न मिलाना सिर्फ तमाशा : इमरान मसूद

» कांग्रेस सांसद ने कहा बल्ले और गेंद से युद्ध नहीं लड़ा जाता, सिर्फ पैसे की परवाह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत ने एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान को हराकर नौवीं बार खिताब अपने नाम किया और तीन बार पाकिस्तान को हराया। भारतीय खिलाड़ियों ने पाकिस्तान के साथ हाथ नहीं मिलाया और फाइनल में पीसीबी चीफ से ट्रॉफी भी नहीं ली गई.कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने भारत-पाक मैच में खिलाड़ियों के हाथ न मिलाने को तमाशा बताया है।

इस पूरे घटनाक्रम को कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने तमाशा करार दिया है। कांग्रेस सांसद ने कहा कि हम तो पहले दिन से पाकिस्तान के साथ मैच खेलने के खिलाफ थे। लेकिन, फिर भी टीम इंडिया ने पाकिस्तान के खिलाफ मैच खेला। कांग्रेस सांसद ने कहा कि पाकिस्तान के साथ क्रिकेट खेलकर आप जश्न मना रहे हैं ट्रॉफी न लेना और हाथ न मिलाना सिर्फ तमाशा है. क्रिकेट के बल्ले और गेंद से युद्ध नहीं लड़ा जाता। युद्ध तो बंदूक, तोप और हवाई जहाजों से लड़ा जाता है। भारत की जीत को पीएम मोदी की ओर से ऑपरेशन सिंदूर से जोड़े जाने पर कांग्रेस सांसद ने ऐतराज जताया। उन्होंने कहा कि भारत ने युद्ध के मैदान में पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई शुरू की, लेकिन अमेरिका के दबाव में आकर युद्धविराम कर दिया गया।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान संयुक्त राष्ट्र में बार-बार दावा कर रहा है कि उसने जीत हासिल की. पूरी दुनिया में चिल्ला-चिल्लाकर कह रहा है कि वो जीत गया। हमारी माताओं-बहनों का सिंदूर उजड़ा, और आप उनके साथ क्रिकेट खेल रहे हैं। न्यूज एजेंसी से बातचीत के दौरान कांग्रेस सांसद ने कहा कि मैं पहले दिन से कह रहा हूं कि आपको सिर्फ पैसों की परवाह है। आपने माहौल बनाया और मुनाफे के लिए उत्साह बेचा। आपने इससे कमाया, पाकिस्तान ने इससे कमाया, और आपको इसकी परवाह नहीं कि 26 महिलाएं विधवा हो गईं।

दिल्ली और उत्तर प्रदेश में मौसम का बदला मिजाज

» लोगों को गर्मी और उमस से राहत मिली है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर व यूपी की राजधनी लखनऊ में मंगलवार को मौसम का मिजाज अचानक बदल गया। सुबह से ही आसमान में बादल छाए रहे और दोपहर तक कई इलाकों में हल्की बारिश ने गर्मी और उमस से परेशान लोगों को बड़ी राहत दी। तेज हवाओं के साथ हुई बूंदाबांदी ने राजधानी और आसपास के शहरों नोएडा, गाजियाबाद, गुरुग्राम और फरीदाबाद का माहौल सुहाना कर दिया।

जानकारी के अनुसार कुछ इलाकों में तेज बारिश भी हुई है। भारतीय मौसम विभागने पहले ही चेतावनी दी थी कि पश्चिमी विक्षोभ के असर से दिल्ली-एनसीआर में मौसम बदल सकता है। लगातार चल रही हवाओं ने न सिर्फ तापमान को कम कर दिया है, बल्कि प्रदूषण के स्तर में भी सुधार देखने को मिला है। कई इलाकों में एयर क्वालिटी इंडेक्स खराब से मध्यम श्रेणी में पहुंच गया।

हालांकि नवरात्रि के बीच हुई भारी बारिश से जगह-जगह आयोजकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। दिल्ली में मंगलवार सुबह से ही आसमान में काले बादल मंडराने लगे थे। नोएडा, गाजियाबाद, गुरुग्राम और फरीदाबाद में भी बादल छाए रहे। कुछ जगहों पर हल्की बूंदाबांदी हुई, जबकि कुछ इलाकों में तेज हवाओं ने माहौल को ठंडा कर दिया. अचानक मौसम बदलने से लोग सड़कों पर भीगते दिखे और कई जगहों पर यातायात पर भी असर पड़ा।

तापमान में गिरावट से लोगों को राहत

भारतीय मौसम विभाग के अनुसार, बारिश और हवाओं के कारण अधिकतम तापमान में 3 से 4 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई. न्यूनतम तापमान भी सामान्य से नीचे है. इससे पिछले कई दिनों से परेशान कर रही उमस और चुभती धूप से लोगों को काफी राहत मिली। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि यह बदलाव पश्चिमी विक्षोभ और मौसमी हवाओं के कारण आया है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार : सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार : संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट : हसन जैदी, दूरभाष : 0522- 4078371 | Email : daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।